Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार - 1

अध्याय - 2
व्यावसायिक संगठन के स्वरूप

भाग - 7

संयुक्त पूंजी कम्पनी

रूचिका सैनी

Under CSR Support by ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1. एकल स्वामित्व
2. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय
3. साझेदारी
4. साझेदारों के प्रकार
5. साझेदारी के प्रकार
6. सहकारी संगठन
7. संयुक्त पूंजी कम्पनी
8. कम्पनी के प्रकार
9. व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन
10. संगठन के स्वरूप के चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अंश



संयुक्त पूंजी कम्पनी (Joint Stock Company)

अर्थ : संयुक्त पूंजी कम्पनी व्यक्तियों के द्वारा बनाया गया ऐच्छिक संघ हैं। जिसका अपना एक अलग वैधानिक अस्तित्व जीवन तथा सार्वमुद्रा होती है तथा इसकी पूंजी हस्तांतरणीय शेयरो में बटी होती है तथा यह कम्पनी अधिनियम 1956 और 2013 द्वारा शासित।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त पूंजी कम्पनी के लक्षण

1. कृत्रिम व्यक्ति (Artificial person) :

- कंपनी की रचना कानून द्वारा होती है तथा इसका अपने सदस्यों से अलग स्वतंत्र अस्तित्व होता है।
- एक प्राकृतिक व्यक्ति के समान कंपनी अपनी संपत्ति रख सकती है, ऋण ले सकती है, उधार ले सकती है, अनुबंध कर सकती है, दूसरों पर मुकदमा कर सकती है; दूसरे इस पर मुकदमा कर सकते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. पृथक वैधानिक अस्तित्व (Separate legal entity) :

- समामेलन के दिन से ही कंपनी को एक अलग पहचान मिल जाती है, जो इसके सदस्यों से पृथक होती है।
- इसकी परिसंपत्तियाँ एवं इसकी देयताएं इसके स्वामियों की परिसंपत्तियों एवं देयताओं से पृथक होती हैं।
- कानून, व्यवसाय एवं इसके स्वामियों को एक नहीं मानता।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



3. स्थापना (Formation) :

- कंपनी की स्थापना अधिक समय लेने वाली, खर्चीली एवं जटिल प्रक्रिया है। इसके कार्य प्रारंभ से पहले कई प्रलेख तैयार करना तथा कई कानूनी आवश्यकताओं का पालन करना होता है।
- कंपनियों का समामेलन कंपनी अधिनियम 2013 अथवा किसी पूर्व कंपनी अधिनियम में होना अनिवार्य है। 1956

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. शाश्वत उत्तराधिकार (Perpetual succession) :

कंपनी की रचना कानून द्वारा होती है तथा कानून ही इसका अंत कर सकता है। इसके अस्तित्व का अंत केवल तभी होगा जबकि इसको बंद करने की प्रक्रिया जिसे समापन कहते हैं, पूरी हो जाएगी।

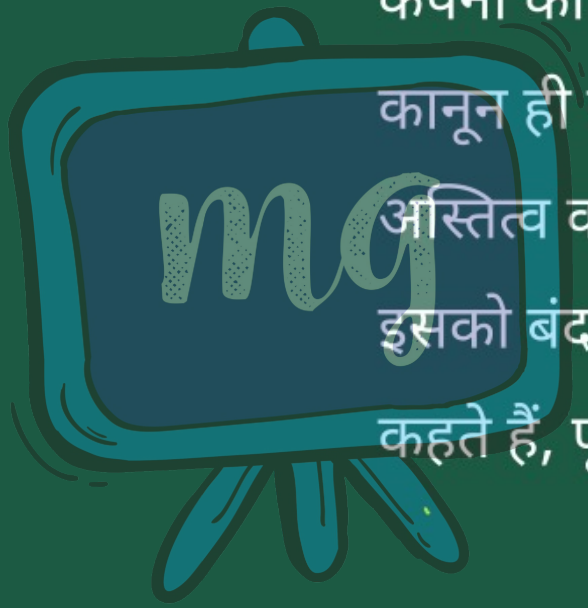

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. नियंत्रण (Control) : कंपनी के मामलों का प्रबंध एवं नियंत्रण निदेशक मंडल करता है, जो कंपनी के व्यवसाय को चलाने के लिए उच्च प्रबंध अधिकारियों की नियुक्ति करता है।

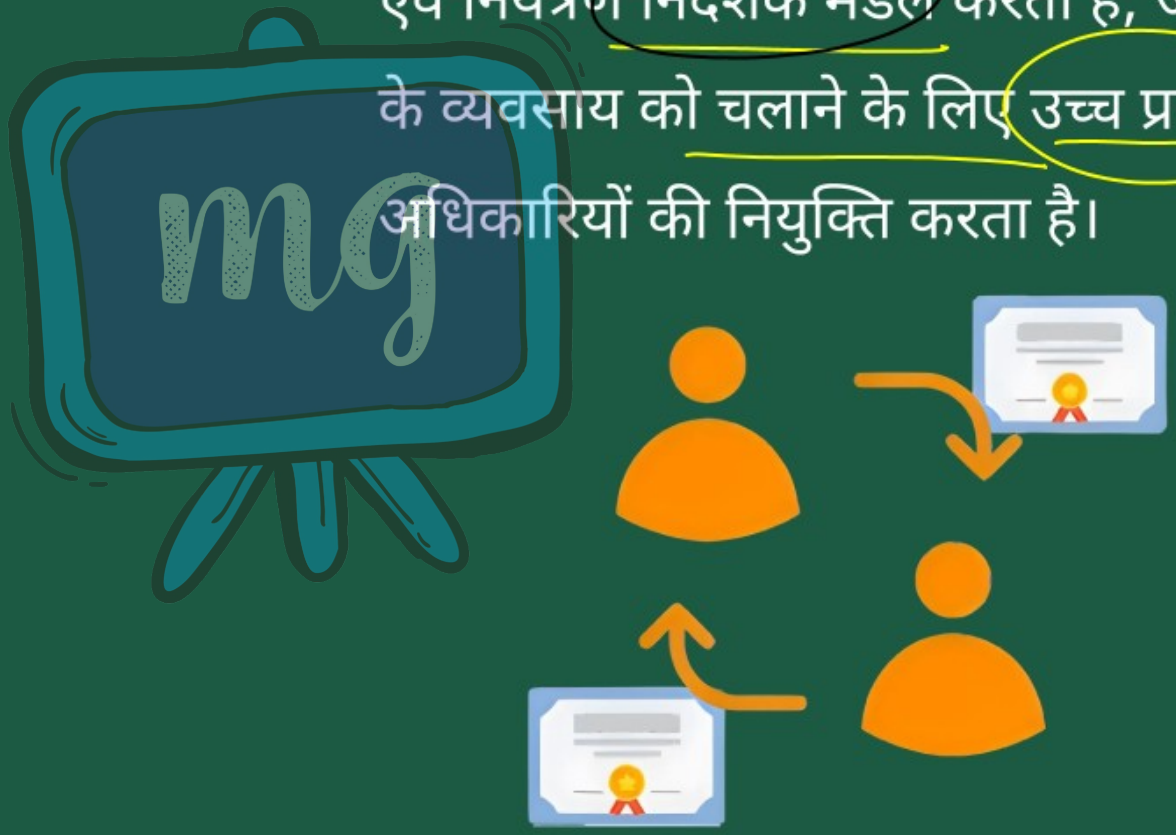

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6. दायित्व (Liability) : हानि होने की स्थिति में सदस्यों का दायित्व कंपनी में उनके द्वारा लगाई पूँजी तक सीमित होता है।

7. सार्वमुद्रण (Common seal) : कंपनी कृत्रिम व्यक्ति होने के कारण अपने नाम के हस्ताक्षर नहीं कर सकती। प्रत्येक कंपनी को एक सार्वमुद्रा का प्रयोग आवश्यक है जो कि अधिकारिक रूप से कंपनी के लिए हस्ताक्षर करती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



8. जोखिम उठाना (Risk bearing) : कंपनी में हानि के जोखिम को सभी अंशधारक वहन करते हैं न कि एक या कुछ व्यक्ति जैसा एकल स्वामित्व अथवा साझेदारी में होता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त पूंजी कम्पनी के गुण

1. सीमित दायित्व (Limited liability) : अंशधारक अपने अंशों की अदत्त राशि की सीमा तक उत्तरदायी होते हैं तथा ऋणों के निपटान के लिए कंपनी की परिसंपत्तियों का ही उपयोग किया जा सकता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. **हितों का हस्तांतरण (Transfer of interest) :**

स्वामित्व के हस्तांतरण में सरलता कंपनी में निवेश का अतिरिक्त लाभ है, क्योंकि एक सार्वजनिक कंपनी के अंशों को बाज़ार में बेचा जा सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर इन्हें आसानी से रोकड़ में बदला जा सकता है।

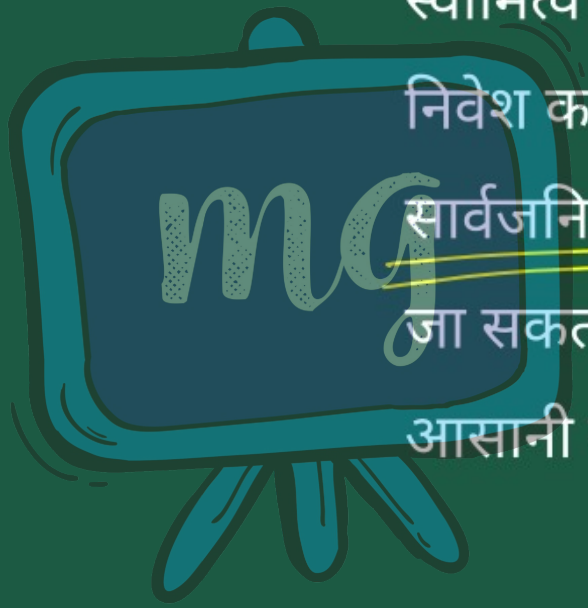

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. स्थायी अस्तित्व (Perpetual existence) :

कंपनी का अपने सदस्यों से पृथक अस्तित्व होता है तथा इस पर उनकी मृत्यु, अवकाश ग्रहण, त्याग-पत्र, दिवालिया होना एवं पागलपन का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. विस्तार की संभावना (Scope for expansion) :

संगठन के एकल स्वामित्व और साझेदारी में तुलना करने पर एक कंपनी के पास वित्त के अधिक स्त्रोत हैं। एक कंपनी जनता से धन की व्यवस्था के साथ-साथ बैंक और वित्तिय संस्थानों से ऋण भी ले सकती है। इसमें विस्तार की व्यापक संभावना है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. पेशेवर प्रबंध (Professional management) :

कंपनी, विशेषज्ञों एवं पेशेवर लोगों को ऊँचा वेतन देने में सक्षम होती है इसलिए वह विभिन्न क्षेत्रों में निपुण लोगों को नियुक्त कर सकती है।

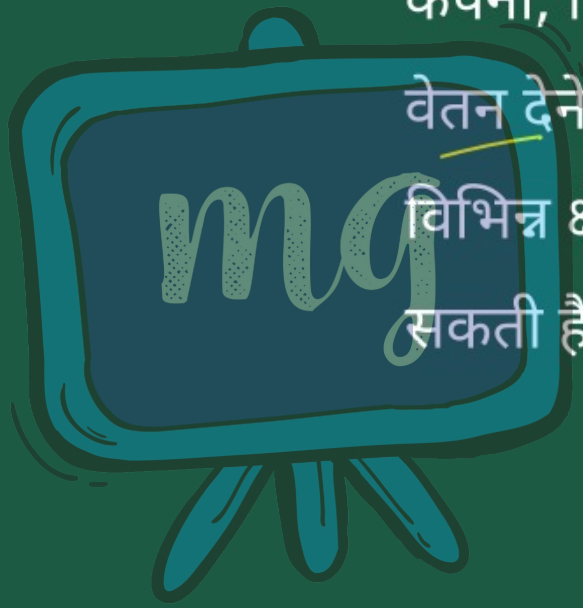

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त पूंजी कम्पनी की सीमाएँ

1. निर्माण में जटिल (Complexity in formation) : कंपनी के निर्माण के लिए अधिक समय, प्रयत्न एवं कानूनी आवश्यकताओं एवं निर्माण प्रक्रिया के विस्तृत ज्ञान की आवश्यकता होती है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. गोपनीयता की कमी (Lack of secrecy) : कंपनी को समय-समय पर कंपनी रजिस्ट्रार के कार्यालय में अनेकों सूचनाएँ देनी होती हैं। ये समस्त सूचनाएँ जनसाधारण को उपलब्ध होती हैं। इसीलिए कंपनी प्रचालन के संबंध में पूरी गोपनीयता रखना कठिन होता है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. अवैयक्तिक कार्य वातावरण (Impersonal work environment) : स्वामित्व एवं प्रबंध में पृथकता से एक ऐसा वातावरण बन जाता है जिसमें कंपनी के अधिकारीगण न तो प्रयत्न करते हैं और न ही व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. अनेकानेक नियम (Numerous regulations) :

☛ कंपनी के कार्य संचालन के संबंध में कई कानूनी प्रावधान एवं बाध्यताएँ हैं।

☛ कंपनी पर अंकेक्षण, वोट देने, विवरण जमा करने एवं प्रलेख तैयार करने के संबंध में अनेकों प्रतिबंध होते हैं तथा इसे रजिस्ट्रार, सेबी, कंपनी लॉ बोर्ड जैसी अनेकों संस्थाओं से विभिन्न प्रमाण पत्र लेने होते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. निर्णय में देरी (Delay in decision making) :

कंपनी का प्रबंध लोकतांत्रिक ढंग से निदेशक मंडल के माध्यम से होता है, न केवल निर्णय लेने में बल्कि उन्हें क्रियान्वित करने में देरी होती है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



6. अल्पतंत्रीय प्रबंधन (Oligarchic management):

- कंपनी एक लोकतांत्रिक संस्था है, जिसमें निदेशक मंडल स्वामियों यानि कि अंशधारकों के प्रतिनिधि होते हैं परंतु व्यवहार में अधिकांश बड़े आकार के संगठनों में, जिनमें बड़ी संख्या में अंशधारी होते हैं, स्वामियों का कंपनी के नियंत्रण एवं उसके संचालन में बहुत कम हाथ होता है।
- कभी-कभी वह अंशधारकों के हितों के विरुद्ध भी इसका उपयोग करते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

7. हितों का टकराव (Conflict in interests) :

कंपनी के विभिन्न अंशधारकों के हितों में टकराव हो सकता है। जैसे - कर्मचारियों की रुचि ऊँचे वेतन में होगी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 संयुक्त पूँजी कम्पनी के निदेशक मण्डल का चुनाव.....के द्वारा होता है।

अ सामान्य जन

ब सरकारी संस्थाएँ

स अंशधारक (स)

द कर्मचारी

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2 संयुक्त पूँजी कम्पनी के लक्षण हैं-

अ कृत्रिम व्यक्ति

ब पृथक वैधानिक अस्तित्व

स साश्वत उत्तराधिकार

द उपरोक्त सभी (द)

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



3 पेशेवर प्रबन्ध की आवश्यकता किस संगठन में होती है?

अ सहकारी संगठन

ब कंपनी संगठन (ब)

स एकल स्वामित्व

द साझेदारी